सं० भ्रो॰िव॰/एफ॰डी॰/81-86/41714.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ वोनी रब्बड़ कम्पनी प्रा॰िल॰, 9-ई, सैंक्टर 6, फरीदावाद, को श्रीमिक श्री चन्द्रीका प्रसाद, पुत्र राम बचन, ग्राम लिठया (भुगेंसर), डा॰ मुंगमास, जिला श्राजमगढ़ (यू॰पी॰), तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भव, भौद्योगिक विवाद मिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गईं शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उन्त श्रधिनियम की धारा 7 क के भधीन गठित श्रौद्यीगिक प्रधिकरण, हेरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जोकि उन्त प्रबन्धकों तथा अमिकों के बीच या,तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रंथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री चन्द्रीका प्रसाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भ्रो वि०/एफ बी०/81-86/41721 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं बोनी रब्बड़ कम्पनी प्रा० लि॰ 9-ई, सैंक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री छत्नधारी, पुत्र श्री सहदेव गोड़, ग्राम पटरवौन्ती, डा॰ भन्नुमनी, जिला देवरिया (यू०पी॰) तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा एक के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक, श्रधिकरण, हरियाणा, पारीदावाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

ं क्या श्री छत्नधारी की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वट किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो. वि/एए..डी./82-86/41730 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं कीनविक इलैक्ट्रोनिक्स, 'प्लाट नं 97, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री ललित भाटिया, पुत्र श्री चरनदास भाटिया, मकान नं 5-एल-141, एन.माई.टी., फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं,

इसलिये, अब, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीद्योगिय अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिंग्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री लिलत भाटिया की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं शोविव /एफव्डीव / 180-86 / 41737. - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं विलासन एण्ड दुवरी लिंक, 12/4, मथुरा रोड, परीदाबाद, के श्रीमिक श्री शिव राम, JI-एच/8, वजीरपुर, जे.जे. कालोनी, नई दिल्ली तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैत निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं,

इसलिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादशस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से स्रसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है:—

क्या श्री शिवराम की सेवाओं का समापन त्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?